Total number of printed pages–4

14 (HIN–4) 4·4 (N/O)

2019

HINDI

Paper : 4·4

(New Syllabus & Old Syllabus)

(Tulnātmak Bhāratīya Sāhitya : Asamiya)

Full Marks : 64/80

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

***Group–A** is for **New** and **Old Syllabus** Candidates ;*
***Group–B** is only for **Old Syllabus** Candidates.*

Group–A

Marks : 64

1. ***किन्हीं दो*** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) हरि हरि किनो बिहि लिखिलि ललाटे।
अबहु मिलल मेरि मरनक घाटे॥
पावलु बहु पुन्ये हास रंक।
हाते हरय निधि बिधि भेल बंक॥
आवल कैचन नाथ अभागिक लाइ।
काचक चाहिते जानो माणिक हराइ॥

Contd.

(ख) हे गुरु : तो हो आगु हया चलह : से
प्रानपृया नैरासा देखिए : प्रान छाड़ब :
हामार आगमन रुक मिनित कह गिया॥

(ग) तेजरे कमलापति परभात निन्द।
तेरि चान्द मुख पेखुँ उठरे गोविन्द॥
रजनी बिदूर दिश धवली बरण।
तिमिर फारिया बाज रविर किरण

अथवा

दुखीयार भङा पँजा
एकोखनि तीर्थ तात
एकोखनि पुण्यर आश्रम,
मरिले पुनर आहि
दुखीया देशते मोर
लओं जेन पुनर जनम।

2. ***किन्हीं तीन*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12×3=3

(क) शंकरदेव का साहित्यिक परिचय दीजिए।

(ख) 'रुक्मिणी हरण नाट' की कथावस्तु की समीक्षा कीजिए

(ग) रुक्मिणी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) माधवदेव के बरगीतों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ङ) रघुनाथ चौधारी की कविताओं में चित्रित प्रकृति पर सम्यक प्रकाश डालिए।

(च) 'जनमभूमि' कविता की समीक्षा कीजिए।

3. ***किन्हीं तीन*** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 4×3=12

(क) 'कीर्तन-घोषा' का सामान्य परिचय प्रस्तुत कीजिए।

(ख) वेदनिधि का परिचय दीजिए।

(ग) रघुनाथ चौधारी की कविताओं की *तीन* भावपक्षीय विशेषताएँ बताइये।

(घ) वैष्णव युग से क्या तात्पर्य है?

(ङ) 'परमतृष्णा' कविता का सारांश लिखिए।

Group–B

Marks : 16

1. असमीया साहित्य के आदिकालीन लोक साहित्य पर एक लेख लिखिए। 12

अथवा

असमीया साहित्य की रोमांटिक कविताओं की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. टिप्पणी लिखिए : *(किसी एक)* 4

(क) मदनमंजरी

(ख) माधवेदव के नाटों की विशेषताएँ।